646
8/10/12

खण्ड : 4 संख्या : 6

दशम् बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(चतुर्थ सत्र)

(भाग-1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

सत्यमेव जयते

बुधवार, दिनांक : **20 मार्च 1991 ई॰**

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उक्त ग्राम में सिंचाई हेतु उक्त नदी में लिफ्ट इरिगेशन की व्यवस्था करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, और नहीं तो क्यों?

प्रभारी मंत्री, जल संसाधन विभाग : (1) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(2) कृषि योग्य भूमि के रकबा के संबंध में विस्तृत सर्वेक्षण के उपरान्त ही इसे सम्पुष्ट किया जा सकता है कि खेती योग्य एवं सिंचाई योग्य कितनी जमीन है।

(3) हजारीबाग जिला के छोटकी सरला ग्राम में निश्चित सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में पूर्ण सर्वेक्षण के बाद ही यह निर्णय लिया जा सकता है कि वहाँ सिंचाई की क्या व्यवस्था हो सकेगी। यह सर्वेक्षण बरसात के मौसम के बाद किया जा सकेगा।

पेथ का निर्माण

सामु-78. श्री मो० अजीमुद्दीन : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(1) क्या यह बात सही है कि अररिया जिलान्तर्गत कलियागंज से सिकटी ग्रामीण अभियंत्रण संगठन (आर० ई० ओ०) की सड़क जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है जिसके कारण बरसात के दिनों में आवागमन अवरुद्ध हो जाता है;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार कबतक उक्त सड़क को बनाने का विचार रखती है और नहीं तो क्यों?

प्रभारी मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग : आंशिक रूप से उत्तर स्वीकारात्मक है। कार्य निर्माणाधीन है।

(2) यह पथ न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम योजनान्तर्गत निर्माणाधीन पथ है। जून, 1991 तक कार्य पूरा हो जाने का लक्ष्य है।

ट्रांसफार्मर की व्यवस्था

त्र-155. श्री अनूप लाल यादव : क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सहरसा जिलान्तर्गत त्रिवेणीगंज प्रखंड के थलाहागढ़िया (बजलोड़ा), बभनग्रामा एवं जदिया में 1979-80 में ही राजकीय टयूवेल लगया गया तथा उसका विद्युतिकरण भी कर दिया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि तीनों ट्यूववेल ट्रान्सफरमर के अभाव में बेकार पड़ा हुआ है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार जनहित में उक्त तीनों टयूवबेल के लिये ट्रान्सफरमर लगाने की विचार रखती है, हाँ तो कबतक, नहीं, तो क्यों?